बी. ए. तृतीय वर्ष
पत्र (संस्कृत अनिवार्य) SAC-302
षष्ठ सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ बुद्धचरितम् (३ सर्ग) १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या

घटक–२ श्रीमद्भगवद्गीता १८वाँ अध्याय १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या , वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ संस्कृत साहित्य का इतिहास १६ अंक
महाभारत, बाणभट्ट, जयदेव, भर्तृहरि, पञ्चतन्त्र ।

घटक–४ कारक–प्रकरण (४–७ विभक्ति) (लघुसिद्धांत कौमुदी के आधार पर) १६ अंक
सूत्र व्याख्या ,कारक के आधार पर अशुद्धि–संशोधन एवं वाक्य–रचना ।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर **५०% विकल्प के साथ** किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।
२. नीतिशतकम्–डॉ.महेशचन्द्र भारतीय ,साहित्य भण्डार, मेरठ,२००४ ।
३. संस्कृत साहित्य का इतिहास–डा. बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन , वाराणसी ।
४. श्रीमद्भगवद्गीता– आचार्य मधुसूदन शास्त्री , चौखम्बा सं. सी. , वाराणसी ,२००८ ।

18/8/17

18.8.17

List of examiners in the subject of Sanskrit (External)
2017-18

Sr.No.	Name and Address	Contact No.
1	Dr.Saroj Ahlawat, Lect. In Sanskrit, Govt. College, Murthal	9416811010
2	Dr. Pawan Hooda, Lect. In Sanskrit CRA College , Sonipat	9416723202
3	Dr. Bimla Rana, Lect. In Sanskrit,GVM College, Sonipat	9416918203
4	Ms. Kamlesh , Lect. In Sanskrit, CRA Girls College, Sonipat	9813083311
5	.Dr. Geeta Sharma, Lect. In Sanskrit,Girls College , Kharkhoda	9896656024
6	Dr. Shrilekha, Lect. In Sanskrit ,BPSM Girls College, Khanpur Kalan	~~9253478967~~ 9467062267
7	Dr. Sarita, Lect. In Sanskrit ,BPSM Girls College, Khanpur Kalan	9996000861
8	Dr. Prakash Kaur, Lect. In Sanskrit, Jat College, Rohtak	9466531068
9	Dr. Devendra, Lect. In Sanskrit, Vaish College, Rohtak	9416359016
10	Dr. Rajpal Kaushik, Lect. In Sanskrit ,Govt. College, Israna	09813960999
11	Dr. Tripti Sharma , Hindu Girls College , Sonipat	09650895393

List of examiners in the subject of Sanskrit (Internal)

Sr.No.	Name and Address	Contact No.
1	Dr. Shrilekha, Lect. In Sanskrit ,BPSM Girls College, Khanpur Kalan	9253478967
2	Dr. Sarita, Lect. In Sanskrit ,BPSM Girls College, Khanpur Kalan	9996000861

Shrilekha

CORRECTIONS IN THE ORDINANCE

(w.e.f. 2017-18)

9. Evaluation and Grading:

9.1 The assessment will be 20% internal and 80% external.

9.2 The students have to qualify internal as well as external tests separately.

9.3 The weightage for internal evaluation (20%) is as follows:

Class tests/Minor test/Sessional tests	10%	(10 marks out of 100)
Assignments/Presentations/Seminars/Workshop	5%	(05 marks out of 100)
Attendance	5%	(05 marks out of 100)

Distribution of Marks for Attendance

75% to 80%	2 Marks
80% to 85 %	3 Marks
85% and above	5 Marks

Credits:

The **classes/periods** in BPSIHL (Formerly BPSM Girls' College) are of **45 Minutes** each. So, the **6 credits** in each semester refer to **6+2 = 8 classes/periods**.

CONSOLIDATED PROGRAMME DETAILS

Sr. No.	Semester	Total Credits	Total Marks
1	I	6	100
2	II	6	100
3	III	6	100
4	IV	6	100
5	V	6	100
6	VI	6	100
TOTAL CREDITS/MARKS		**36**	**600**

18/08/17

18.8.17

COURSE CURRICULUM & SCHEME OF EXAMINATIONS (SANSKRIT E)
for B.A. 3 Year Degree Course (w.e.f. 2017-18)

Semester	Code	Paper Title	Hours Per Week			Marks Distribution		
			L	T+P	Total Credits	Internal Marks	External Marks	Total
1	SAE-101	SANSKRIT E	6	2	6	20	80	100
2	SAE-102	SANSKRIT E	6	2	6	20	80	100
3	SAE-201	SANSKRIT E	6	2	6	20	80	100
4	SAE-202	SANSKRIT E	6	2	6	20	80	100
5	SAE-301	SANSKRIT E	6	2	6	20	80	100
6	SAE-302	SANSKRIT E	6	2	6	20	80	100
Total Contact Hours/Credits			36	12	36	120	480	600

Pass Percentage — 40% in the external and 40% in the aggregate of external and internal examination.

COURSE CURRICULUM & SCHEME OF EXAMINATIONS (SANSKRIT C)
for B.A. 3 Year Degree Course (w.e.f. 2017-18)

Semester	Code	Paper Title	Hours Per Week			Marks Distribution		
			L	T+P	Total Credits	Internal Marks	External Marks	Total
1	SAC-101	SANSKRIT C	6	2	6	20	80	100
2	SAC-102	SANSKRIT C	6	2	6	20	80	100
3	SAC-201	SANSKRIT C	6	2	6	20	80	100
4	SAC-202	SANSKRIT C	6	2	6	20	80	100
5	SAC-301	SANSKRIT C	6	2	6	20	80	100
6	SAC-302	SANSKRIT C	6	2	6	20	80	100
Total Contact Hours/Credits			36	12	36	120	480	600

Pass Percentage — 40% in the external and 40% in the aggregate of external and internal examination.

18/08/17

18.8.17

Scheme of Examination of B.Sc.
in the subject of Sanskrit Compulsory
(w.e.f. 2017-2018)

Paper Code	Title of Paper	Allocation of Periods	B.Sc. Maximum Marks			Credits
			Internal Marks	External Marks	Total	
SKT-201	Sanskrit Core	4 hours per week	10	40	50	4
SKT-202	Sanskrit Core	4 hours per week	10	40	50	4

The weightage for internal evaluation (20%) is as follows:

Class tests/Minor test/Sessional tests	10%	(10 marks out of 100)
Assignments/Presentations/Seminars/Workshop	5%	(05 marks out of 100)
Attendance	5%	(05 marks out of 100)

18/08/17

18.8.17

बी.ए.प्रथम वर्ष
पत्र (संस्कृत ऐच्छिकम्) SAE-101
प्रथम सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ हितोपदेश: (कथामुख , मित्रलाभ: १-४ कहानियाँ) १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या

घटक–२ हितोपदेश: (कथामुख , मित्रलाभ: १-४ कहानियाँ) १६ अंक
रचनाकार का सामान्य परिचय/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ (क) शब्द रूप–राम,कवि,भानु,लता, नदी, मातृ,फल । १६ अंक

(ख) स्वर संधि (अच् सन्धि) ।

घटक–४ (क) धातु –रूप–भू,पठ्,हस्,गम्,नम्,अस्,हन्,क्रुध्,नश्,नृत्। १६ अंक
[लट्,लोट्, लङ्, लृट् ,विधिलिङ्]

(ख) छन्दः– अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा
वंशस्थ , वसन्ततिलका, मालिनी ।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर **५०% विकल्प के साथ** किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :-

१.हितोपदेश – कृष्णानंद शास्त्री , भारतीय संस्कृत भवन , जालंधर,२००७ ।
२.छन्दोमंजरी– अनन्तरामशास्त्री, चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।
३. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।

18-8-17

बी.ए.प्रथम वर्ष
पत्र (संस्कृत ऐच्छिक) SAI-102
द्वितीय सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ किरातार्जुनीयम् प्रथमः सर्गः — १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या , वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ दूतवाक्यम् (भास विरचितम्) — १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या
वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न/* प्रमुख नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली।

घटक–३ (क) शब्द रूपु – सर्व, तद्, एतद्, यद्, किम्, इदम् — १६ अंक
अस्मद्, युष्मद् ।
(ख) व्यंजन सन्धि ,विसर्ग सन्धि।

घटक–४ (क) धातु –रूप– सेव्,लभ्,रुच्,याच् ,कृ,नी,भज्,पच्। — १६ अंक
[लट्,लोट्, लङ्, लृट् ,विधिलिङ् केवल परस्मैपद में)
(ख) अनुवादः संस्कृत से हिंदी में सरल अनुवाद ।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर ५०% विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :-

१. किरातार्जुनीयम् – डा.श्रीनिवास ओझा ,शारदा संस्कृत संस्थान , वाराणसी ,२००५ ।
२. दूतवाक्यम्–डा. सुधाकर मालवीय , कृष्णदास अकादमी , वाराणसी,१९८७ ।
३. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।
४. संस्कृत साहित्य का इतिहास–डा. बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन , वाराणसी ।

18.8.17

18.8.17

* नान्दी, सूत्रधार, स्थापना, नेपथ्य, सर्वश्राव्य, जनान्तिक, अपवारित, नायक, विदूषक, आकाशभाषित, भरतवाक्य।

18.8.17

बी.ए. द्वितीय वर्ष
पत्र (संस्कृत ऐच्छिकम्) SAE-201
तृतीय सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ पातञ्जलयोगसूत्र–साधन पाद १–२५ १६ अंक
सूत्र व्याख्या / वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ श्रीमद् भगवद्गीता (द्वितीयः अध्यायः) १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या , वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ (क) प्रत्याहार सूत्र–(लघुसिद्धान्तकौमुदी) १६ अंक
(ख) समास–अव्ययीभाव,कर्मधारय ,द्वन्द्व, बहुव्रीहि।

घटक–४ (क) पत्र–लेखनम् १६ अंक
(ख) कृत्प्रत्यय – क्त्वा, तुमुन्, ण्यत्, यत्, क्त, क्तवतु, शतृ,
शानच्, तव्यत् एवं अनीयर् ।

प्रश्नपत्र–निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर ५०% विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१. पातञ्जलयोगदर्शनम्– भगीरथ मिश्र , नवभारत प्रैस ,लखनऊ ।
२. श्रीमद्भगवद्गीता– आचार्य मधुसूदन शास्त्री , चौखम्बा सं. सी. , वाराणसी ,२००८ ।
३. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।
४. गीता प्रवचन– विनोबा भावे, चौखम्बा सं. सी. ,वाराणसी,२००८ ।

The weightage for internal evaluation (20%) is as follows:

Class tests/Minor test/Sessional tests	10%	(10 marks out of 100)
Assignments/Presentations/Seminars/Workshop	5%	(05 marks out of 100)
Attendance	5%	(05 marks out of 100)

बी.ए. द्वितीय वर्ष
पत्र (संस्कृत ऐच्छिकम्) SAE-202
चतुर्थ सामिसत्र

पूर्णांकः८०
समयः३ घंटे

घटक–१ पातञ्जलयोगसूत्र–साधन पाद २६–५५ १६ अंक
सूत्र व्याख्या / वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ ईशोपनिषद् १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ (क) वाच्य–परिवर्तन–कर्त्तृवाच्य,कर्मवाच्य,भाववाच्य। १६ अंक
(ख) सन्नन्त / णिजन्त रूप–भू,पठ्, गम्, पा ,लिख्,श्रु,धृ,दा,स्था,हन् ।
(लट् लकार में)

घटक–४ (क) अनुवादः संस्कृत से हिंदी में सरल अनुवाद । १६ अंक
(ख) संज्ञा–प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी–सोदाहरण सूत्र–व्याख्या)

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर ५०% विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१. पातञ्जलयोगदर्शनम्– भगीरथ मिश्र , नवभारत प्रैस ,लखनऊ ।
२. ईशोपनिषद् भाष्य कुसुमाञ्जलि– पं. शिवनारायण शास्त्री, चौखम्बा सं. सी. ,वाराणसी, २००८।
३. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।
४. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३ ।

The weightage for internal evaluation (20%) is as follows:

Class tests/Minor test/Sessional tests	10%	(10 marks out of 100)
Assignments/Presentations/Seminars/Workshop	5%	(05 marks out of 100)
Attendance	5%	(05 marks out of 100)

18.8.17

(10A)

बी.ए. तृतीय वर्ष
पत्र (संस्कृत ऐच्छिकम्) SAE-301
पंचम सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ श्रीमद् भगवद्गीता (३–४ अध्यायः) १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या , वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ अभिज्ञान शाकुन्तलम् (१ ,४ अंक) १६ अंक
रचनाकार का सामान्य परिचय/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ कारक–प्रकरण (१–३ विभक्ति तक)(सिद्धांत कौमुदी के आधार पर) १६ अंक
निर्दिष्ट सूत्र
सूत्र व्याख्या ,कारक के आधार पर अशुद्धि–संशोधन एवं वाक्य–रचना ।

घटक–४ (क) अलंकाराः –अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, १६ अंक
रूपक, अतिशयोक्ति (केवल लक्षण एवं उदाहरण)
(ख) वैदिकसाहित्यम् – संहिता, ब्राह्मण , आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगसाहित्य ।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर ५०% विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१. अभिज्ञान शाकुन्तलम् –डा. सुधाकर मालवीय, चौखम्बा संस्कृत सी. वाराणसी, २००८ ।
२. वैदिक साहित्य का इतिहास– डा. पारस नाथ द्विवेदी, चौख. सं. सी., वाराणसी, २००८ ।
३. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।
४. साहित्यदर्पणः– आचार्य कृष्णमोहन शास्त्री, चौखम्बा सं. सं., वाराणसी,१९८५ ।

The weightage for internal evaluation (20%) is as follows:

Class tests/Minor test/Sessional tests	10%	(10 marks out of 100)
Assignments/Presentations/Seminars	5%	(05 marks out of 100)
Attendance	5%	(05 marks out of 100)

Note: The Internal Evaluation of 15 Marks in Sanskrit in 5th and 6th semester will be based on Computational Sanskrit.

18/8/17

18.8.17

•सिद्धान्त कौमुदी के प्रमुख सूत्र (प्रथमा से तृतीया विभक्ति) :-

१ प्रातिपदिकार्थलिङ्परिमाणवचनमात्रे प्रथमा ।
२ सम्बोधने च ।
३ कर्तुरीप्सिततमं कर्म ।
४ कर्मणि द्वितीया ।
५ तथायुक्तं चानीप्सितम् ।
६ अकथितं च ।
७ अधिशीङ्स्थासां कर्म ।
८ अभिनिविशश्च ।
९ उपान्वध्याङ्वसः ।
१० उभसर्वतसोः कार्या धिग्उपर्यादिषु त्रिषु ।
द्वितीयाम्रेडितान्तेषु ततोऽन्यत्रापि दृश्यते ॥
११ अपितःपरितःसमयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि ।
१२ अन्तरान्तरेणयुक्ते ।
१३ कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे ।
१४ स्वतन्त्रः कर्ता ।
१५ साधकतमं करणम् ।
१६ कर्तृकरणयोस्तृतीया ।
१७ अपवर्गे तृतीया ।
१८ सहयुक्तेऽप्रधाने ।
१९ येनाङ्विकारः ।
२० हेतौ ।
गम्यमानापि क्रिया कारकविभक्तौ प्रयोजिका । आर्तः श्रमेण ।
२१ पृथग्विनानानाभिस्तृतीयान्यतरस्याम् ।

(11A)

बी.ए. तृतीय वर्ष

पत्र (संस्कृत ऐच्छिकम्) SAE-302

षष्ठ सामिसत्र

पूर्णांकः८०

समयः३ घंटे

घटक–१ बुद्धचरितम् १–३ सर्ग १६ अंक

अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या

घटक–२ बुद्धचरितम् १–३ सर्ग १६ अंक

रचनाकार का सामान्य परिचय/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ (क) कारक–प्रकरण (४–७ विभक्ति तक) (सिद्धांत कौमुदी के आधार पर) १६ अंक

सूत्र व्याख्या, कारक के आधार पर अशुद्धि–संशोधन एवं वाक्य–रचना ।

घटक–४ (क) संस्कृतसाहित्येतिहासः १६ अंक

वाल्मीकि, व्यास, भवभूति, भारवि, भर्तृहरि, जयदेव

(लेखकों एवं कृतियों का सामान्य परिचय)

(ख) संस्कृत–निबन्धः :–

विषयाः– विद्या, परोपकारः, सत्संगतिः, मम प्रियः कविः, गीताभिमतम् आत्मनः स्वरूपम्

(तीन में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध)

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर ५०% विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१. बुद्धचरितम्–डा. सूर्यनारायण चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास,वाराणसी,२००८ ।

२. संस्कृत निबन्ध मञ्जूषा– डा. उदयशंकर झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,२०१३ ।

३. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।

The weightage for internal evaluation (20%) is as follows:

Class tests/Minor test/Sessional tests	10%	(10 marks out of 100)
Assignments/Presentations/Seminars	5%	(05 marks out of 100)
Attendance	5%	(05 marks out of 100)

Note: The Internal Evaluation of 15 Marks in Sanskrit in 5th and 6th semester will be based on Computational Sanskrit.

18.8.17

सिद्धान्त कौमुदी के प्रमुख सूत्र (चतुर्थी से सप्तमी विभक्ति) :--

१ कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् ।

२ चतुर्थी सम्प्रदाने ।

३ रुच्यर्थानां प्रीयमाणः ।

४ धारेरुत्तमर्णः ।

५ स्पृहेरीप्सितः ।

६ क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः ।

७ क्रुधद्रुहोरुपसृष्टयोः कर्म ।

८ नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषट्योगाच्च ।

९ ध्रुवमपायेऽपादानम् ।

१० अपादाने पञ्चमी ।

११ भीत्रार्थानां भयहेतुः ।

१२ वारणार्थानामीप्सितः ।

१३ अन्तर्द्धौ येनादर्शनम् इच्छति ।

१४ जनिकर्तुः प्रकृतिः ।

१५ भुवः प्रभवः ।

१६ अन्याऽऽराद्-इतरर्ते-दिक्शब्दाञ्चूत्तरपदाऽऽज्-आहि-युक्ते ।

१७ पृथग्विनानानाभिस्तृतीयान्यतरस्याम् ।

१८ दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च ।

१९ षष्ठी शेषे ।

२० षष्ठी हेतुप्रयोगे ।

२१ एनपा द्वितीया ।

२२ दूरान्तिकार्थैः षष्ठ्यन्यतरस्याम् ।

२३ तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्यां तृतीयान्यतरस्याम् ।

२४ चतुर्थी चाशिष्यायुष्य-मद्र-भद्र-कुशल- सुखार्थ-हितैः ।

२५ आधारोऽधिकरणम् ।

२६ सप्तम्यधिकरणे च ।

२७ यतश्च निर्धारणम् ।

बी.एस.सी.द्वितीय वर्ष
पत्र(संस्कृत अनिवार्य) SKT-201
तृतीय सामिसत्र

पूर्णांक:४०
समय:३ घंटे

घटक–१ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) ८ अंक

पद्य–भाग–१–६

अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) ८ अंक

गद्य–भाग–१–५

अनुवाद एवं व्याख्या / वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ शब्द रूप–राम,कवि,भानु,पितृ,मति,नदी, ८ अंक

अस्मद्,युष्मद्, मातृ,आत्मन्।

घटक–४ (क) स्वर संधि ८ अंक

(ख) * संस्कृत में फलों के नाम

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **40** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित 4 प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्क का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर ५०% विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :-

१.हितोपदेश – कृष्णानंद शास्त्री , भारतीय संस्कृत भवन , जालंधर,२००७ ।
२. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।
३. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३ ।

18.8.17

*अंजीर, आम, अमरूद, ककड़ी, तरबूज, नारियल, जामुन, बेर, बादाम, सेब, शहतूत, खीरा, अंगूर, अनार, संतरा, खरबूजा, कटहल, लीची, सिंघाड़ा, गन्ना, अखरोट, आड़ू, छुहारा, चिरौंजी, मखाना, आलूबुखारा, किशमिश, खजूर, गूलर, नारियल, फालसा, बेल, सेब, बादाम, मुनक्का, मकोय।

18/08/17

18.8.17

बी.एस.सी.द्वितीय वर्ष
पत्र(संस्कृत अनिवार्य) SKT-202
चतुर्थ सामिसत्र

पूर्णांक:४०
समय:३ घंटे

घटक–१ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) ८ अंक
पद्य–भाग–७–१०
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) ८ अंक
गद्य–भाग–६–१०
अनुवाद एवं व्याख्या / वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ धातु –रूप–भू,पठ्,गम्,अस्,हन, कृ,नी,पच् । ८ अंक
[लट्,लोट्, लङ्, लृट् ,विधिलिङ् केवल परस्मैपद में)

घटक–४ (क) व्यंजन संधि। ८ अंक
(ख) * संस्कृत में सम्बन्धियों के नाम

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **40** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **4** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न **दो (2)** अङ्क का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर **५०% विकल्प के साथ** किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१.हितोपदेश – कृष्णानंद शास्त्री , भारतीय संस्कृत भवन , जालंधर,२००७ ।
२. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।
३. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३ ।

18.8.17

पिता, माता, दादा, दादी बहन, पति, पत्नी, नाना, नानी, चाचा, चाची, लड़का, लड़की, पोता, पोती, भाई, बड़ाभाई, छोटाभाई, भानजा, भाभी, भतीजा, मित्र, सखी, नौकर, नौकरानी, दामाद, मामी, मामा, सास, ससुर, साला, मालिक, जीजा, दुश्मन, ननद, नाती, परदादा, परदादी, समधी, समधिन, फूआ, फूफा, सगाभाई, चचेरा भाई, मौसा, मौसी।

(16A)

बी.ए.प्रथम वर्ष
पत्र(संस्कृत अनिवार्य) SAC-101
प्रथम सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) १६ अंक
पद्य–भाग–१–६
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) १६ अंक
गद्य–भाग–१–५
अनुवाद एवं व्याख्या / वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ (क) शब्द रूप–बालक, कवि, साधु, पितृ, मातृ, फल, विद्वस्, शशिन् १६ अंक
(ख) स्वर संधि।

घटक–४ (क) * संस्कृत में अव्यय शब्द ।(केवल शब्दार्थ पूछे जाएँगे) १६ अंक
(ख) धातु –रूप– भू, वद्, स्था, दा, प्रच्छ् (लट्,लोट्, लङ्, लृट् ,विधिलिङ् परस्मैपद में)

प्रश्नपत्र निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर **५०% विकल्प के साथ** किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :-

१.हितोपदेश – कृष्णानंद शास्त्री , भारतीय संस्कृत भवन , जालंधर,२००७ ।
२. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।
३. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३ ।

8-17

अव्यय शब्द :-

अकस्मात्,अग्रतः,अग्रे,अचिरम्,अन्तर्,अपि् च,अयि,आजन्मम्,आतः,अतीव,अत्र,अथ,अद्य, अपरम्,अधस्तात्,अपरेद्युः,अधुना,अनिशम्,अस्थाने,अन्तरेण,अन्तरा,अन्तरे,अन्यश्च, अन्यत्र,अन्यथा,अभितः,अभीक्ष्णम्,अर्वाक्,अलम्,असकृत्,आसाम्प्रतम्,आरात्,इतः,इतस्ततः, इति,इत्थम्,इदानीम्,इह,ईषत्,उच्चैः,उभयतः,ऋतम्,ऋते,एकत्र,एकदा,एकधा,एकपदे,एतर्हि,एव, एवम्,कथम्,कदा,कदाचिद्,कदापि,कामम्,किञ्च,किमुत,किम्वा,किल,कुतः,कुत्र,कुत्रचित्,क्व, क्वचित्,खलु,चिरम्,जातु,ततः,तदानीम्,दिष्ट्या,दिवा,परितः,पुरस्तात्,समन्तात्,सकृत्,सद्यः, मुहुः,पृथक्,पूर्वेद्युः,सममम्,समया,निकषा,सर्वतः,सर्वत्र,सह,सहसा,समीचीनम्,यदा,सम्प्रति,यतः, यत्र,नाम,नूनम्,यावत्,विना,भूयः,शनैः,सायम्,युगपत्,ध्रुवम् ।

बी.ए.प्रथम वर्ष
पत्र(संस्कृत अनिवार्य) SAC-102
द्वितीय सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) — १६ अंक
पद्य–भाग–७–१०
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या/ वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ संस्कृत चयनिका– (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन) — १६ अंक
गद्य–भाग–६–१०
अनुवाद एवं व्याख्या / वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३(क) शब्द–रूप सर्व, तद्, इदम्, (तीन लिंगो में) — १६ अंक
अस्मद्, युष्मद्, लता, नदी।
(ख) व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि।

घटक–४ (क) धातु–रूप–कृ, गम्, पठ्, श्रु, चुर्, अस् — १६ अंक
[लट्,लोट्, लङ्, लृट् ,विधिलिङ् परस्मैपद में]
(ख) अनुवाद: संस्कृत से हिंदी में सरल अनुवाद।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-
1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।
2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।
3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर **५०% विकल्प के साथ** किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :-
१.हितोपदेश – कृष्णानंद शास्त्री , भारतीय संस्कृत भवन , जालंधर,२००७ ।
२. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।
३. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास्, दिल्ली, २००३ ।

18/8/17

18.8.17

बी.ए द्वितीय वर्ष
पत्र (संस्कृत अनिवार्य) SAC-201
तृतीय सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ श्रीमद् भगवद्गीता (द्वितीयः अध्यायः) १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या , वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ रामायणम् (बालकाण्डम्, प्रथमः सर्गः) [गीतप्रैस, गोरखपुर] १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या, वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ (क) समास– अव्ययीभाव, तत्पुरुष । १६ अंक
(ख) प्रत्याहार सूत्र–(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

घटक–४ (क) कृत्प्रत्यय – क्त्वा, तुमुन् शतृ, शानच्,तव्यत् १६ अंक
अनीयर्,क्तवतु,ण्यत्,यत्,क।
(ख) अनुवादः संस्कृत से हिंदी में सरल अनुवाद ।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर **५०%** विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :-

१. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।
२. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।
३. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३ ।
४. श्रीमद्भगवद्गीता– आचार्य मधुसूदन शास्त्री , चौखम्बा सं. सी. , वाराणसी ,२००८ ।

18/8/17

18.8.17

बी.ए द्वितीय वर्ष

पत्र (संस्कृत अनिवार्य) SAC-202

चतुर्थ सामिसत्र

पूर्णांक:८०

समय:३ घंटे

घटक–१ सौन्दरनन्दम्– द्वितीयः–तृतीयः सर्गः — १६ अंक

अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या, वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ श्रीमद् भगवद्गीता (३–४ अध्यायः) — १६ अंक

अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या , वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ (क) समास–द्वन्द्व, बहुव्रीहि। — १६ अंक

(ख) * संस्कृत में सम्बन्धियों के नाम , पशुओं के नाम ।

घटक–४ (क) अनुवादः संस्कृत से हिंदी में सरल अनुवाद । — १६ अंक

(ख) संज्ञा–प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी–सोदाहरण सूत्र–व्याख्या)

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर ५०% विकल्प के साथ किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।

२. रूपचंद्रिका– पं. रामचन्द्र झा,चौख. सं. सीरीज, वाराणसी ।

३. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३ ।

४. श्रीमद्भगवद्गीता– आचार्य मधुसूदन शास्त्री , चौखम्बा सं. सी. , वाराणसी ,२००८ ।

पिता, माता, दादा, दादी बहन, पति, पत्नी, नाना, नानी, चाचा, चाची, लड़का, लड़की, पोता, पोती, भाई, बड़ाभाई, छोटाभाई, भानजा, भाभी, भर्तीजा, मित्र, सखी, नौकर, नौकरानी, दामाद, मामी, मामा, सास, ससुर, साला, मालिक, जीजा, दुश्मन, ननद, नाती, परदादा, परदादी, समधी, समधिन, फूआ, फूफा, सगाभाई, चचेरा भाई, मौसा, मौसी।

* बकरा, बकरी, बैल, भेड़, हाथी, शेर, कुतिया ऊँट, चीता, भालू, खरगोश, गाय, भैंस, घोड़ा, गधा, बन्दर, भेड़िया, भैंसा, मकड़ी, लोमड़ी, कुत्ता, गीदड़, गैंडा, हिरन का बच्चा, गोह, चूहा, छिपकली, तेंदुआ, नेवला, बाघ, बिच्छू, बिल्ला, बिल्ली, सुअर, हिरन।

18/08/17

18.8.17

बी. ए. तृतीय वर्ष
पत्र (संस्कृत अनिवार्य) SAC-301
पंचम सामिसत्र

पूर्णांक:८०
समय:३ घंटे

घटक–१ कठोपनिषद् प्रथमः अध्यायः , प्रथमा वल्ली १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या / सूक्ति– श्लोकांश– व्याख्या, वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–२ श्रीमद्भगवद्गीता १२वाँ अध्याय १६ अंक
अनुवाद एवं व्याख्या , वर्ण्य विषय सम्बंधी प्रश्न

घटक–३ संस्कृत साहित्य का इतिहास १६ अंक
रामायण , अश्वघोष, कालिदास, भवभूति, हितोपदेश

घटक–४ कारक–प्रकरण (१–३ विभक्ति) (लघुसिद्धांत कौमुदी के आधार पर) १६ अंक
सूत्र व्याख्या ,कारक के आधार पर अशुद्धि–संशोधन एवं वाक्य–रचना ।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1 प्रश्नपत्र के लिये कुल **80** अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन **(3)** घण्टे होगा।

2 प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित **8** प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो **(2)** अङ्कों का होगा।

3 द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर **५०% विकल्प के साथ** किया जाए।

सहायक ग्रन्थ सूची :–

१. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या)–भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन,दिल्ली ।
२. नीतिशतकम्–डॉ.महेशचन्द्र भारतीय ,साहित्य भण्डार, मेरठ,२००४ ।
३. संस्कृत साहित्य का इतिहास–डा. बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन , वाराणसी ।
४. श्रीमद्भगवद्गीता– आचार्य मधुसूदन शास्त्री , चौखम्बा सं. सी. , वाराणसी ,२००८ ।

18.8.17